भाग ३ : आय-वितरण (१८७-२३०)

१८. आय-वितरण कैसे होना चाहिए ? १८७-९२
१९. कार्य से उत्पन्न आय की विषमताएं १९२-२०१
२०. सम्पत्ति से उत्पन्न आय की विषमताएं २०२-९
२१. कराधान द्वारा समता २१०-२४
२२. सम्पत्ति का पुनर्वितरण या समाजीकरण २२५-३०

भाग ४ : उत्पादन के मूल कारकों की आपूर्ति (२३३-५८)

२३. भूमि, श्रम और पूंजी २३३-५३
२४. श्रम की अनुकूलतम आपूर्ति २३६-४८
२५. पूंजी की अनुकूलतम आपूर्ति २४९-५५
२६. श्रम और पूंजी की आपूर्ति में समकालिक परिवर्तन २५६-५८

भाग ५ : अन्तर्राष्ट्रीय समस्याएं (२६१-३५१)

२७. भुगतान-संतुलन २६१-७३
२८. स्वर्ण-मान २७४-९५
२९. मुक्त विनिमय दर २९६-३०५
३०. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार ३०६-१५
३१. मुक्त व्यापार और संरक्षण ३१६-२७
३२. मजदूरों और पूंजी की अन्तर्राष्ट्रीय गतिशीलता ३२८-३६
३३. अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग ३३७-४५
३४. युद्ध के आर्थिक कारण ३४६-५१
जनसंख्या के रुख पर टिप्पणी ३५२-५५
चार्ट १ और २ ३५७-६८
अनुक्रमणिका ३६९-८४